क्या एलिएन्स से संपर्क करना ठीक होगा?

स्टीफन हॉकिंग की स्पष्ट राय है कि हमें अन्य ग्रहों पर जीवों से संपर्क की कोशिश कदापि नहीं करनी चाहिए। वे मानते हैं कि यह पृथ्वी के संसाधनों की लूट-खसोट का सबब बन सकता है। हॉकिंग के ही शब्दों में, "यदि एलिएन्स धरती पर आए तो यह लगभग वैसा ही होगा जैसे कोलंबस अमेरिका पहुंचा था, जिसका परिणाम देशज अमरीकियों के लिए अच्छा नहीं रहा।" हॉकिंग ने अपनी राय डिसकवरी चैनल के एक कार्यक्रम में व्यक्त की।

वैसे भी शोधकर्ताओं के बीच इस बात को लेकर बहस चलती रही है कि हमें आने वाले कुछ समय तक अन्य ग्रह के निवासियों से संपर्क के प्रयास करने चाहिए या नहीं। इस संदर्भ में इस बात का भी हिसाब-किताब किया गया है कि एलिएन्स के लिए कोई संदेश प्रसारित करने में जोखिम कितना है। इसका एक सैन मारियो पैमाना भी विकसित किया गया है।

सैन मारियो पैमाना हंगरी में स्थित कोन्कोली वेधशाला के ईवान एल्मर ने 2005 में विकसित किया था। इसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्रा अकादमी ने 2007 ने अपना लिया है। यह पैमाना 1 से 10 तक के अंकों पर आधारित है। 1 का मतलब है जोखिम नगण्य है जबकि 10 का मतलब है कि जोखिम असाधारण है। इस अंक की गणना अंतरिक्ष में प्रसारित सिग्नल की तीव्रता, उसकी अवधि और विषयवस्तु के आधार पर की जाती है। वैसे स्वयं एल्मर तो हॉकिंग से असहमत हैं। उनका मत है कि हॉकिंग एक अच्छे भौतिकविद हैं मगर अन्य ग्रहों के निवासियों की खोज परियोजना (सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलीजेंस यानी सेटी) के विशेषज्ञ नहीं है। यहां यह भी गौरतलब है कि पिछले कई बरसों से हम (यानी पृथ्वी के वैज्ञानिक) अंतरिक्ष में हमारे अस्तित्व के बारे में सूचनाएं इस उम्मीद में प्रसारित करते रहे हैं कि यदि सुदूर अंतरिक्ष में कहीं बुद्धिमान जीव होंगे तो इन संकेतों को सुनकर जवाब ज़रूर देंगे। अभी तक कहीं से कोई जवाब नहीं आया है। ***(स्रोत फीचर्स)***